STUDY IQ IAS

# हिंदी साहित्य

## वैकल्पिक 2026

## न्यू ईयर बैच

### लाइव क्लासेज़ & टेस्ट सीरीज़

3rd Jan'25

1:00 PM

स्टडी आईक्यू पहली बार यूपीएससी में सर्वाधिक लोकप्रिय व अंकदायी वैकल्पिक विषय- 'हिंदी साहित्य' पर एक कोर्स शुरू कर रहा है। इस कोर्स का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के लिए संपूर्ण व व्यापक तैयारी कराना है जिसमें टेस्ट सीरीज़ भी शामिल है।

यूपीएससी मुख्य परीक्षा के अभ्यर्थियों के बीच जो वैकल्पिक विषय सर्वाधिक लोकप्रिय रहे हैं उनमें हिन्दी साहित्य सबसे ऊपर है।

यह एक सरल, सहज व अंकदायी विषय है, जो न केवल मानविकी बल्कि विज्ञान, मैनेजमेंट आदि अन्य पृष्ठभूमि वाले अभ्यर्थियों के बीच भी लोकप्रिय रहा है। इसका चयन हिंदी व अंग्रेज़ी दोनों माध्यम के अभ्यर्थी कर सकते हैं।

# हिंदी साहित्य : कुछ विशेषताएँ

01 यूपीएससी में सर्वाधिक लोकप्रिय और अंकदायी विषय।

02 हिंदी से हमारा स्कूल के दिनों से परिचय

03 कबीर, सूर, तुलसी, निराला, पंत, प्रसाद, मैथिलीशरण गुप्त, दिनकर, भारतेन्दु, प्रेमचंद आदि को कौन नहीं जानता?

04 ऐसे टॉपिक जहाँ से प्रश्न आने की सौ फीसदी संभावनाएँ

05 हिंदी और अंग्रेज़ी दोनों माध्यम के अभ्यर्थियों की पसंद

06 अपडेट करने की ज़रूरत नहीं

07 केवल हिंदी में ही लिखना है, अतः अंग्रेज़ी माध्यम से प्रतिस्पर्धा नहीं

08 निबंध के पेपर और उत्तर लेखन-शैली में भी उपयोगी

# कोर्स की विशेषताएँ

1. 5 महीनों में लगभग 400+ घंटे के लाइव व्याख्यान
2. उच्च गुणवत्ता वाले व्याख्यान नोट्स के माध्यम से व्यापक कवरेज
3. हस्तलिखित नोट्स प्रदान किए जाएंगे
4. फ़ैकल्टी के मार्गदर्शन में लाइव उत्तर-लेखन सत्र
5. विगत वर्षों के प्रश्नों पर चर्चा और मॉडल उत्तर उपलब्ध।
6. फ़ैकल्टी द्वारा समस्या-समाधान सत्र

# कोर्स प्लान

**प्रश्नपत्र - I (खंड-क)**
**हिंदी भाषा और नागरी लिपि का इतिहास**
**(कुल घंटे = 50)**

| दिनांक | विषय | समय |
|---|---|---|
| 3rd Jan' | Orientation | |
| 3rd Jan' | **आधुनिक हिंदी**<br>• उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली का विकास।<br>• स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान राष्ट्र भाषा के रूप में और<br>• भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।<br>• हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध।<br>• हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास<br>• मानक हिन्दी का स्वरूप।<br>• हिंदी भाषा का मानकीकरण<br>• मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना। | 20 H |
| 11th Jan' | **देवनागरी लिपि**<br>• उन्नीसवीं शताब्दी में नागरी लिपि का विकास।<br>• नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास<br>• नागरी लिपि का मानकीकरण | 14 H |
| 23th Jan' | **हिन्दी साहित्य का इतिहास-लेखन**<br>• हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व<br>• हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा। | 8 H |

## प्रश्नपत्र - II (खंड-ख)
## हिंदी गद्य साहित्य
## (कुल घंटे = 122)

| दिनांक | विषय | |
|---|---|---|
| 7th Feb' | **आदिकालः**<br>• सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य।<br>• प्रमुख कविः चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्द्र, विद्यापति। | 8 H |
| 13th Feb' | **भक्ति कालः**<br>• संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा। प्रमुख कवि : कबीर, जायसी, सूर और तुलसी। | 20 H |
| 23rd Feb' | **रीतिकालः**<br>• रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य<br>• प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद। | 8 H |
| 2nd Mar' | **आधुनिक कालः**<br>• नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल (ख) प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बाल कृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र।<br>• आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ। छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता। | 25 H |
| 9th Mar' | **प्रमुख कवि:**<br>• मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन। | 8 H |

## प्रश्नपत्र - II (खंड-ख)
## हिंदी गद्य साहित्य
## (कुल घंटे = 122)

| दिनांक | विषय | समय |
|---|---|---|
| 21st Mar' | **कथा साहित्यः**<br>• उपन्यास और यथार्थवाद<br>• हिन्दी उपन्यासों का उद्भव और विकास<br>• प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी।<br>• हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास।<br>• प्रमुख कहानीकार : प्रेमचन्द, जयशंकर प्रसाद, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती। | 20 H |
| 29th Mar' | **नाटक और रंगमंच**<br>• हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास<br>• प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, जयशंकर प्रसाद, जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश।<br>• हिन्दी रंगमंच का विकास। | 10 H |

## प्रश्नपत्र - II (खंड-ख)
## हिंदी गद्य साहित्य
## (कुल घंटे = 122)

| दिनांक | विषय | समय |
|---|---|---|
| 6th Apr' | **आलोचना :**<br>• हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास- सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा।<br>• प्रमुख आलोचक - रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र। | 7 H |
| 14th Apr' | **हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ:**<br>• ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त। | 6 H |
| 20th Apr' | **मध्यकालीन कवि**<br>• कबीर : कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 पद)<br>• सूरदास : भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद)<br>• तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड), कवितावली (उत्तर काण्ड)<br>• जायसी : पदमावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड)<br>• बिहारी : बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) | 8 H |
| 27th Apr' | **आधुनिक कवि**<br>• मैथिलीशरण गुप्त : भारत- भारती<br>• जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग)<br>• सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) | 40 H |

## प्रश्नपत्र - II (खंड-क)
## हिंदी गद्य साहित्य
## (कुल घंटे = 100)

| दिनांक | विषय | समय |
|---|---|---|
| 4th May' | **आधुनिक कवि**<br>• रामधारी सिंह 'दिनकर' : कुरुक्षेत्र<br>• अज्ञेय : आंगन के पार द्वार (असाध्यवीणा)<br>• मुक्ति बोध : ब्रह्मराक्षस<br>• नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा। | 50 H |
| 12th May' | **हिंदी उपन्यास**<br>• प्रेमचंद : गोदान<br>• यशपाल: दिव्या<br>• फणीश्वरनाथ रेणु : मैला आंचल<br>• मन्नू भण्डारी : महाभोज | 40 H |
| 19th May' | **हिंदी नाटक**<br>• भारतेन्दु : भारत दुर्दशा<br>• मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन<br>• जयशंकर प्रसाद : स्कंदगुप्त | 25 H |

## प्रश्नपत्र - II (खंड-ख)
## हिंदी गद्य साहित्य
## (कुल घंटे = 100)

| दिनांक | विषय | समय |
|---|---|---|
| | | |
| 26th May' | **हिंदी कहानी**<br>• 'प्रेमचंद' की सवयश्रेष्ठ कहानियाँ<br>• राजेन्द्र यादव (सं.) : एक दुनिया समानान्तर | 20 H |
| 4th June' | **हिंदी निबंध**<br>• रामचंद्र शुक्ल : चिंतामणि: कविता क्या है?/ श्रद्धा-भक्ति)<br>• निबंध निलय : संपादक : डॉ. सत्येन्द्र | 10 H |
| 11th June' | • व्याख्या खंड (पद्य एवं गद्य) | 5 H |
| 18th June' | **प्रारंभिक हिंदी**<br>• अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक<br>• तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप। | 8 H |
| 26th June' | **मध्यकालीन हिंदी**<br>• मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।<br>• सिद्ध, नाथ, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप। | 8 H |
| | | |

# कोर्स की विशेषताएँ

01 कुल 12 टेस्ट होंगे।

02 8 टेस्ट अलग-अलग खंडों से और 4 टेस्ट सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित।

03 प्रश्नों की संरचना और मूल्यांकन यूपीएससी के पैटर्न पर। प्रश्नों का स्तर गहरी समझ और ज्ञान पर आधारित।

04 उत्तर अपलोड करने के 4-5 दिनों के भीतर टेस्ट का मूल्यांकन।

05 प्रत्येक टेस्ट पर समग्र चर्चा और विश्लेषण की सुविधा उपलब्ध।

06 विगत वर्षों के प्रश्नों का भी व्यापक रूप से कवरेज और विश्लेषण।

कृपया ध्यान दें कि परीक्षणों की तारीखें अस्थायी हैं और भिन्न हो सकती हैं

Price: ~~₹28,000~~

**₹16,999**

Enrol Now

76-4000-3000

contact@studyiq.com